Publication	Navbharat Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	03
Date	17th September 2017

NBT
नवभारत टाइम्स

स्कूल में कितना सेफ है आपका लाडला, बताएगा ऐप

शहर के कई स्कूलों ने की पहल, बच्चों के आईकार्ड में लगाई चिप

NBT पड़ताल

रायन स्कूल में मासूम बच्चे की हत्या के बाद से स्कूल कैंपस में बच्चों की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में एनबीटी की पड़ताल में कुछ ऐसे स्कूल भी सामने आए जिनके यहां सेफ्टी पर खासा जोर दिया जा रहा है। इन स्कूलों में सुरक्षा के लिए एक ऐसा डिवाइस यूज किया जा रहा है, जो बच्चे की पल-पल की लोकेशन ट्रेस कर रहा है। इससे पैरंट्स व स्कूल को उनकी मूवमेंट की पूरी जानकारी रहती है। पेश है साक्षी रावत की रिपोर्ट :

पिछले दिनों स्कूलों में बच्चों के साथ कुछ इस तरह की घटनाएं घटीं, जिससे पूरा देश आहत है। कभी स्कूल में बच्ची से छेड़छाड़ और रेप, तो कभी स्विमिंग पूल में हादसा, तो कभी बाथरूम में चाकू से बच्चे की हत्या। इन सभी दर्दनाक घटनाओं की वजह से देश में हर तरफ एक ही आवाज उठ रही है कि कैसे बच्चों को सुरक्षित किया जाए। इसी को देखते हुए एवोक्सीज टेक्नॉलजी कंपनी ने एक ऐप इबो-टैग बनाया है। मोबाइल में इसे डाउनलोड करने के बाद जीपीएस के जरिए बच्चों की एक्टिविटी पर इससे नजर रखी जा सकती है। इसके जरिए जहां पैरंट्स घर बैठे स्कूल में बच्चे की लोकेशन पता कर पा रहे हैं वहीं, उन्हें यह भी पता चल रहा है कि उनके बच्चे किस एक्टिविटी में लगे हैं। पैरंट्स के साथ ही स्कूल भी इसके जरिए बच्चों और टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ पर नजर रख रहे हैं। उनका मानना है कि इससे किसी भी अप्रिय घटना को रोकने में मदद मिलेगी।

ऐसे करता है यह काम

इबो-टैग एक ट्रैकर है जोकि वाई-फाई और ब्लूटूथ दोनों के साथ ही काम करता है। बसों में यह जीपीएस के साथ मिलकर काम करेगा। यह ट्रैकर एक छोटे से बैज के साइज का है। इसे बच्चों के आईकार्ड में लगाया जा सकता है, जोकि हमेशा बच्चों के गले में टंगा होता है। इसके जरिए आउटडोर-इनडोर लोकेशन के साथ ही स्कूल की अन्य संबंधित सभी जानकारी मिलती रहती है।

3 स्कूलों ने अपनाया है यह डिवाइस

गुड़गांव के 3 स्कूलों ने इस डिवाइस को अपनाया है। इनमें सनसिटी स्कूल भी शामिल है। इस स्कूल में 2500 स्टूडेंट्स और 500 टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ को यह डिवाइस दिया गया है। वहीं दूसरा स्कूल है क्रैडल टू क्रेयॉन्स। इस स्कूल ने 110 बच्चों को यह डिवाइस दे रखा है। इसके अलावा, मेड ईजी स्कूल में प्राइमरी विंग के बच्चों को यह डिवाइस दिया गया है। वहीं 1500 स्टूडेंट्स को जल्द ही नए सेशन में यह डिवाइस दे दिया जाएगा।

घर बैठे पैरंट्स और स्कूल प्रबंधन जान सकेंगे स्कूल में बच्चे की लोकेशन

अब तक गुड़गांव में 3 स्कूलों ने लागू किया सिस्टम, रायन स्कूल में भी हो सकती है शुरुआत

सनसिटी स्कूल में बच्चों व नॉन टीचिंग स्टाफ के आई कार्ड में लगाया गया है छोटा सा डिवाइस

'पैरंट्स की चिंता होगी कम'

"स्कूल में छात्र के साथ घटी घटना के बाद रायन व अन्य स्कूलों को इस डिवाइस को अपनाने की बात कही गई है। यह ट्रैकर पैरंट्स को घर बैठे बच्चों की पूरी लोकेशन बताएगा। एजुकेशन फील्ड के बाद इस ट्रैकर को हेल्थ केयर के साथ भी जोड़ने की प्लानिंग चल रही है।
-शिल्पा भटनागर, सीईओ, एवोक्सीज टेक्नॉलजी

"यह इंडोर लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम है, जो ब्लू टूथ लो एनर्जी चिप के जरिए बच्चों की जानकारी देता है। यह सिस्टम जीपीएस के माध्यम से स्कूल की बसों को ट्रैक करता है। मोबाइल ऐप के जरिए माता-पिता को लाइव जानकारी देता है। हमने स्कूल में कुल 304 और बसों में 60 सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। - रूपा चक्रवर्ती, प्रिंसिपल, सनसिटी स्कूल

"इस चिप के चलते पैरंट्स अपने बच्चों को स्कूल में और ज्यादा सेफ समझेंगे। इसलिए स्कूल में ट्रैकर की शुरुआत कर दी गई है। उम्मीद है इससे बच्चे सेफ होंगे।
-तुलिका नेगी, प्रिंसिपल, क्रैडल टू क्रेयॉन्स स्कूल

"घर के बाद बच्चों की सेफ्टी की पूरी जिम्मेदारी हमारी है। यह डिवाइस बच्चों के साथ-साथ पैरंट्स को भी सुरक्षा का अहसास करवा रहा है। -टीसी बदान, सीईओ, मेड ईजी स्कूल

"स्कूलों में इस तरह की सुविधा विदेशों में दी जाती है, लेकिन यहां भी इसकी शुरुआत होने से सभी पैरंट्स को राहत मिलेगी।-*सूची शर्मा, पैरंट्स*

"आज के समय में जब बच्चे दूर हैं, तो वे सुरक्षित हैं या नहीं, इसे लेकर टेंशन रहती है। ऐसे में यह प्रयास काफी अच्छा है। -*सीमा लाल, पैरंट्स*

"यह डिवाइस बच्चों को पूरी तरह से सुरक्षा दे रहा है। बच्चों के साथ बढ़ते इतने घटनाक्रम के बाद बेस्ट है यह डिवाइस। -*नलिनी शर्मा, पैरंट्स*